



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

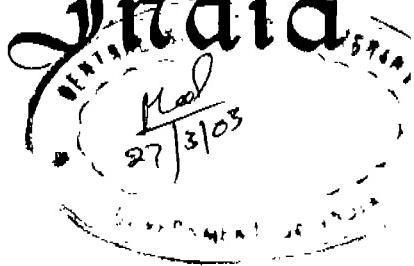
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 390]
No. 390]नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 22, 2002/श्रावण 31, 1924
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 22, 2002/SAVANA 31, 1924

वित्त और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 2002

सं. 43/2002—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 591(अ)।—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 6/2002—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(i) सारणी में,

(क) क्रम सं. 136 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
"136क 5506.20 .	पॉलिस्टर स्टैपल फाइबर, धूनित, कंकतकृत या अन्यथा कताई के लिए संसाधित, जिसमें काटन समिक्ष्य है (जिसमें कोई अन्य टैक्सटाइल सामग्री सम्मिलित नहीं है) और जिसमें पॉलिस्टर स्टैपल फाइबर का अनुपात खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अनुमोदित किसी संगठन के स्वामित्वाधीन किसी कारखाने द्वारा विनिर्मित कुल फाइबर अन्तर्वस्तु के भार के आधार पर 70 प्रतिशत से कम है।	कुछ नहीं	—	—	23क"

(ख) क्रम सं. 137 के सामने, स्तम्भ (3) में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"पॉलिस्टर स्टैपल फाइबर का सूत जिसमें कॉटन अन्तर्विष्ट है (जिसमें कोई अन्य टैक्सटाइल सामग्री सम्मिलित नहीं है) और जिसमें पॉलिस्टर स्टैपल फाइबर का अनुपात खादी और ग्रामोद्योग आयोग या खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अनुमोदित किसी संगठन के स्वामित्वाधीन किसी कारखाने द्वारा विनिर्मित या क्रय की गई कुल फाइबर अन्तर्वस्तु के भार के आधार पर 70 प्रतिशत से कम है।"

(ii) उपाबंध में,—

(क) शर्त सं. 23 और उससे संबंधित शर्त के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

शर्त सं.	शर्त
“23क. यदि विनिर्माता निकासी के समय खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि ये फाइबर केवल पोली वस्त्र के अर्थात् कोई ऐसा कपड़ा जिसमें सूत और पॉलिस्टर अन्तर्विष्ट हैं, जो भारत में हाथ से कते सूतों से हथकरघा पर बुना हुआ होगा, विनिर्माण में प्रयोग के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अनुमोदित किसी संगठन के स्वामित्वाधीन किसी कारखाने द्वारा हाथ से कते सूतों में होंगे।”;	

(ख) शर्त सं. 24 और उससे संबंधित शर्त के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

शर्त सं.	शर्त
“24. यदि,—	<p>(i) यह माल खादी और ग्रामोद्योग आयोग या खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अनुमोदित संगठन के स्वामित्वाधीन किसी कारखाने द्वारा क्रय किया गया है और ऐसे माल के लिए संदर्भ, यथास्थिति, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा या खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अनुमोदित किसी संगठन द्वारा अपने बैंक लेखा से लिखे गए चैक द्वारा किया गया था; और</p> <p>(ii) विनिर्माता निकासी के समय खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी से कोई प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि सूत का उपयोग केवल पोली वस्त्र के निर्माण में अर्थात् कोई कपड़ा जिसमें सूत और पॉलिस्टर, जो भारत में हथकरघा पर हाथ से व्युत्पत्ति होंगे, किया जाएगा।</p>

[फा. सं. 357/17/2002-टीआरयू]

विवेक प्रसाद, अवर सचिव

टिप्पणी.—मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में अधिसूचना सं. 6/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 [सा.का.नि. 127(अ), तारीख 1 मार्च, 2002] द्वारा प्रकाशित हुई थी एवं उसका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. 42/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 21 अगस्त, 2002 [सा.का.नि. 587(अ), तारीख 21 अगस्त, 2002] द्वारा किया गया है।

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd August, 2002

No. 43/2002-Central Excise

G.S.R. 591(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 6/2002-Central Excise, dated the 1st March, 2002, namely :—

In the said notification,—

(i) in the Table,—

(a) after S.No.136 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
“136A 5506.20	Ployester staple fibres, carded, combed or otherwise processed for spinning, containing cotton (not containing any other textile material) and in which the proportion of polyester staple fibre is less than 70 per cent by weight of the total fibre content manufactured by a factory owned by the Khadi and Village Industries Commission or any organization approved by the Khadi and Village Industries Commission.		Nil	23A”;	

(b) against S. No. 137, for the entry in column (3), the following shall be substituted, namely :—

“Yarn of polyester staple fibre containing cotton (not containing any other textile material) and in which the proportion of polyester staple fibre is less than 70 per cent. by weight of the total fibre content, manufactured or purchased by a factory owned by the Khadi and Village Industries Commission or any organization approved by the Khadi and Village Industries Commission”;

(ii) in the Annexure, —

(a) after condition No. 23 and the condition relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

Condition No.	Conditions
“23 A.	If the manufacturer produces at the time of clearance a certificate from an officer authorized in this behalf by the Khadi and Village Industries Commission, that these fibres shall be hand spun into yarns by a factory owned by the Khadi and Village Industries Commission or any organization approved by the Khadi and Village Industries Commission, for use only in the manufacture of Poly Vastra, that is to say, any cloth containing cotton and polyester, woven on handloom from yarns hand spun in India.”;

(b) for condition No. 24 and the condition relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

Condition No.	Conditions
“24.	<p>If,—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) these goods are purchased by a factory owned by the Khadi and Village Industries Commission or any organization approved by the Khadi and Village Industries Commission and the payment for such goods is made by cheque drawn by the Khadi and Village Industries Commission or such organization approved by the Khadi and Village Industries Commission, as the case may be, on its own bank account; and (ii) the manufacturer produces at the time of clearance a certificate from an officer authorized in this behalf by the Khadi and Village Industries Commission, that the yarn shall be used only in the manufacture of Poly Vastra, that is to say, any cloth containing cotton and polyester, woven on handloom from yarns hand spun in India.”.

[F. No. 357/17/2002-TRU]

VIVEK PRASAD, Under Secy.

Note :—The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 6/2002-Central Excise, dated the 1st March, 2002 [G.S.R. 127(E), dated the 1st March, 2002] and was last amended by notification No. 42/2002-Central Excise, dated the 21st August, 2002 [G.S.R. No. 587(E), dated the 21st August, 2002].

